

অসমৰ জনগোষ্ঠীয়
লোক-চিকিৎসা

সংকলন আৰু সম্পাদনা
ড° অঞ্জুমান দাস



axamar janagosthiya loka-chikitsā
A collection of research articles on folk medicine and folk treatment in Assam compiled & edited by Dr. Angahuman Das, published by Saumitra Jogeet on behalf of AANK-BAAK, 3/Biliane No. 5, Natun Saraniya, Gandhibasti, Guwahati-781014.

Assam, India, e-mail: aankbaak@gmail.com

କିମ୍ବା କେତେ : ସବୁଟି ମାଟେଟ୍, ହସିରାତ୍ ମୋଡ, ପଦମରାଜ, ଓଦାହାତ୍-୯୮୨୦୦୧
ଏଥିଲମ ହସିରାତ୍ ନିର୍ମାଣ କା ପ୍ରଗତ ମମ, ଇହାତ ଶାରିତି ତଥାମ ନିର୍ମିତିଯୋଗ୍ୟତା ଆକ୍ରମନ ବିବା
ବକ୍ତବ୍ୟର ତୌରେ ଏକମନ ମୋଟିର ଆକାରିତି ମୀତି ଆକ୍ରମ ଉଦ୍‌ଦେଶ୍ୟର ତଳୋମ ସମ୍ପର୍କ ନାହିଁ।

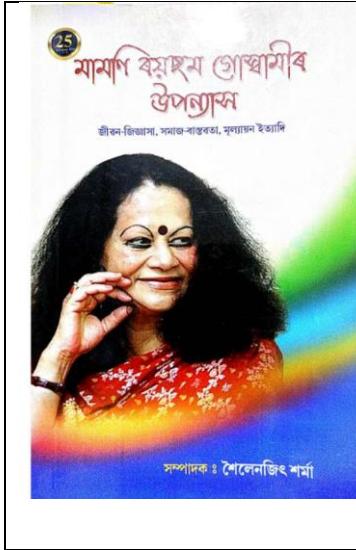
અધ્યાત્મ પ્રકાશ : નવેમ્બર, ૨૦૧૮

সম্পাদক দ্বাৰা সৰ্বশ্ৰেষ্ঠ সংৰক্ষিত

সূচীপত্র

দেউবীমকলাৰ লোক-ঔষধ
আৰু লোক-চিকিৎসা

পূর্ববী দুর্বিা



*Mamoni Raisom Goswamir Upayana, Jivan-Jijnyasha, a
Bastabata, Mulyayan Ityadi* : edited by Saileenjeet S.
Asst. Professor of Assamese Dept., Goalpara College,
published by Ashok Publication, Panbazar, Guwahati, 781001
First Published : 2019 Price : Rs. 350/-

ISBN : 978-93-89491-22-7
Digitized by srujanika@gmail.com
© सच्चादार द्वारा सर्वद्वितीय संस्करण
कालान्तर
प्रिया प्राणिमत्तम
अध्ययन प्रकाश : २०१९

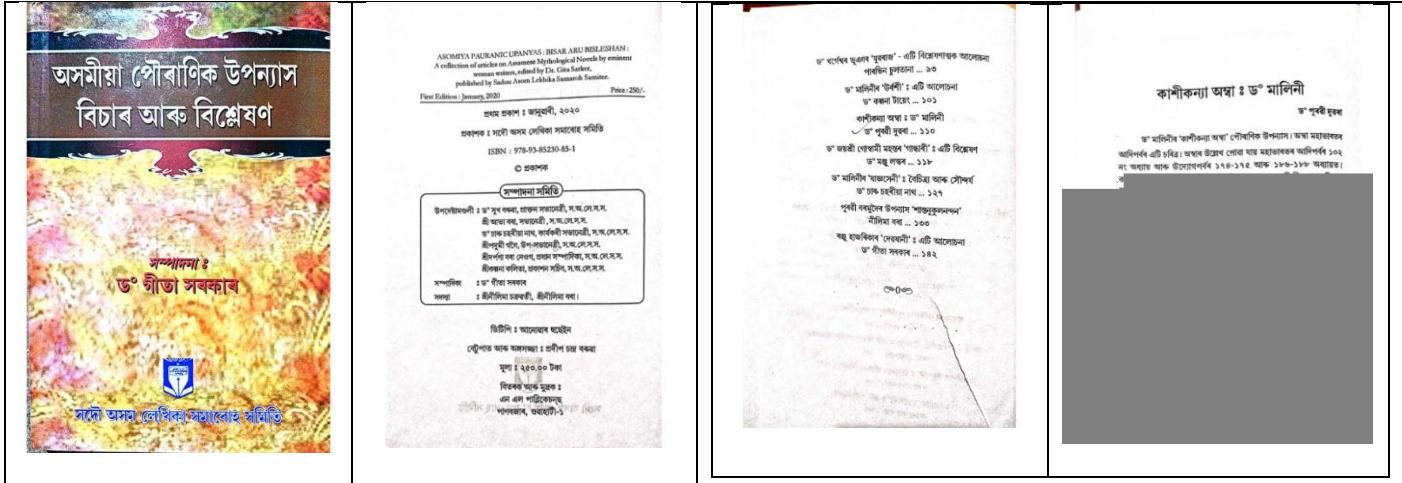
- | | |
|-----|--|
| ११० | मानवी उपनिषद चतुर्विंशति
५ वी. शुभा द्युमि |
| १२४ | मामे वस्त्र अवलोकने उपनिषद स्थिरितिगत मानव-बाहुदाता
५ वी. वर्षा वर्षा |
| १३२ | मामे वस्त्र अवलोकने उपनिषद चतुर्विंशति
(माराणी, दुर्गाती, वास्त्राती आदि)
५ वी. वाराणी |
| १३२ | मामे वस्त्र अवलोकने उपनिषद चतुर्विंशति
५ वी. वारा वारा |
| १४० | मामे वस्त्र अवलोकने उपनिषद चतुर्विंशति
५ वी. वीरा वास |
| १४० | मामे वस्त्र अवलोकने उपनिषद कामा-कोषिश
५ विष्णु विष्णु |
| १५० | वैष्णव हातीं उत्ते वेष्या वाहना ॥ आद्यात्मक वस्त्र-विष्णु आक वस्त्र
५ वी. वीरा वस्त्र विष्णु |
| १५८ | देवता वीरान कामवेद भवा वैष्णव हातीं उत्ते वेष्या वाहना
५ वी. वीरा वाहना |
| १६१ | देवता वीरान कामवेद भवा वैष्णव हातीं उत्ते वेष्या वाहना
५ वी. वीरा वाहना |
| २०० | मनवाकामी वृद्धिवेदने वैष्णव हातीं उत्ते वेष्या वाहना ॥ उपनिषद ५ वेक
५ वी. वीरा वाहना |
| २०९ | मामव वस्त्र अवलोकने उपनिषद स्थिरितिगत विष्णुवेदन
(प्रसंग : वैष्णव हातीं उत्ते वेष्या वाहना)
५ वी. वीरा वाहना |
| २१६ | वैष्णव हातीं उत्ते वेष्या वाहना ॥ उपनिषद वारिक चित्ता
५ वीरानी वेष्या |
| २२४ | वैष्णव हातीं उत्ते वेष्या वाहना ॥ आक वारानीस भजावेद व भावानीपी
विष्णुवेद |
| २३१ | वैष्णव हातीं उत्ते वेष्या वाहना |

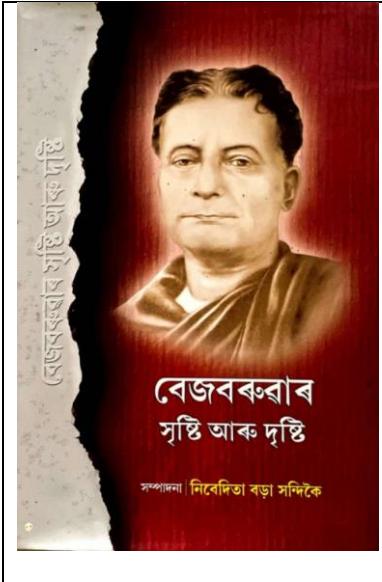
‘ନୀଳକଟ୍ଟି ବ୍ରଜ’ ଉପନ୍ୟାସର ଚବିତ୍ର ବିଶ୍ଲେଷଣ

ଶ୍ରୀ ଡାଁ ପୂର୍ବତୀ ମୁଖ୍ୟା

ବସନ୍ତରୀ ଉପାମକ ଶାହିରଙ୍କ ଏଥାକୀ ଯାଇଲେ
କେନ୍ଦ୍ରରେ ମୁଖ୍ୟ ରହିଥାଏ ପାଇଁ। ତେବେ ଶୁଣି ନିମ୍ନ
ପରିବର୍ତ୍ତନରେ ଆମ୍ବାରୀ ନାହିଁ। ତେବେ ଉପାମକ ଶାହିରଙ୍କ
ମୁଖ୍ୟ ରହି ଥାଏ ଯାଏ । ତେବେ ଉପାମକ ଶାହିରଙ୍କ ଯେତେବେ
କାହାରେ ଆମ୍ବାରୀ ଆମ୍ବାରୀ-କୁଣ୍ଡଳ, ଶିରାଜ,
କାହାରେ ଆମ୍ବାରୀ-କୁଣ୍ଡଳ, ଶିରାଜ,
କାହାରେ ଆମ୍ବାରୀ-କୁଣ୍ଡଳ, ଶିରାଜ ।

“ମୀଳକାଳୀ ରତ୍ନ” ଉପନ୍ୟାସଥିଲେ ୧୯୭୬ ଚନ୍ଦର ପ୍ରକାଶିତ ହୈବା ଉପନ୍ୟାସଥିଲର ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତରେ ଗୁରୁତ୍ୱମାନ। ରତ୍ନଥାର ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତରେ ବିଶେଷ ହୋଇ ଏଇଥାରେ ଏକ ଅମୂଳୀଆ ଉପନ୍ୟାସ। ଡାକ୍ତର ପୂର୍ଣ୍ଣବିଜୃତ ଉପନ୍ୟାସଥିଲର ବିଶେଷ ପେନାଲାସିକେ ଦେଖେ—





বেজবৰুৱা সৃষ্টি আৰু দৃষ্টি

সম্পাদনা | নিবেদিতা বড়া সন্দিকে

BEZBARUAHR SHRISTI ARU DRISTI : A Collection of Articles on criticism of Sahityarathi Lakshminath Bezbarua, edited by Nivedita Bora Handique and Published by All Dhemaji District Students' Union, Dhemaji, TRIPURA and printed at LC Spectrum, Gwahati-3.

First Edition : January 2021

Price: 350/-

<p>ପ୍ରକାଶକ : ସତୀ ପ୍ରସ୍ତ୍ରେଣ ଲିମା ଏଟ୍ ନ୍ୟୁ</p> <p>ପ୍ରକାଶନ ବର୍ଷ : ଅକ୍ଟୋବର, ୨୦୧୨</p> <p>ପ୍ରକାଶକ : ନିର୍ମାଣିତ ଲାଗ୍ ପ୍ରସ୍ତ୍ରେଣ</p> <p>ଲେଖକ : ଶ୍ରୀମତୀ ଲାଲା ପାତ୍ର</p> <p>ବର୍ଣ୍ଣନା : ଏହା ବର୍ଣ୍ଣନା ଆଜିକାରିକାରେ ଏହା ବର୍ଣ୍ଣନା ଏହା ବର୍ଣ୍ଣନା</p> <p>ଅବଧି : ୦୫୦୫</p> <p>ପ୍ରକାଶକ : ଅମ୍ବା ପ୍ରସ୍ତ୍ରେଣ, ନିର୍ମାଣିତ ଲୋକିକୁ ପ୍ରସ୍ତ୍ରେଣ</p> <p>ମୂଲ୍ୟ : ୩୦୦ ଟଙ୍କା</p>	<p>ପ୍ରକାଶକ : ଶୃଜନ ପ୍ରସ୍ତ୍ରେଣ</p> <p>ପ୍ରକାଶନ ବର୍ଷ : ୨୦୧୨</p> <p>ପ୍ରକାଶକ : ନିର୍ମାଣିତ ଲାଗ୍ ପ୍ରସ୍ତ୍ରେଣ</p> <p>ଲେଖକ : ଶ୍ରୀମତୀ ଲାଲା ପାତ୍ର</p> <p>ବର୍ଣ୍ଣନା : ଏହା ବର୍ଣ୍ଣନା ଆଜିକାରିକାରେ ଏହା ବର୍ଣ୍ଣନା ଏହା ବର୍ଣ୍ଣନା</p> <p>ଅବଧି : ୦୫୦୫</p> <p>ପ୍ରକାଶକ : ଅମ୍ବା ପ୍ରସ୍ତ୍ରେଣ, ନିର୍ମାଣିତ ଲୋକିକୁ ପ୍ରସ୍ତ୍ରେଣ</p> <p>ମୂଲ୍ୟ : ୩୦୦ ଟଙ୍କା</p>
---	---

সূচীপত্র

•

বেজবৰংবাৰ জীৱন সৌৰৰণ

- ✓ নক্ষুলাম্ব বেজবকরণ জীবনস্থিতি "মোর জীৱন সীৱদৰণ"

এক বিবেচনা/২৭

- দ্বাৰা প্ৰদীপু দেৱৰ

○ নক্ষুলাম্ব বেজবকরণ আচারীভূতিৰ এই
'মোৰ জীৱন সীৱদৰণ'ত/১৫৪

- দ্বাৰা কৃষ্ণগুৱাই

নক্ষুলাম্ব বেজবকরণ মোৰ জীৱন সীৱদৰণ ইতিহাস/১২৯

- বাবী প্ৰেমীকুৰুন

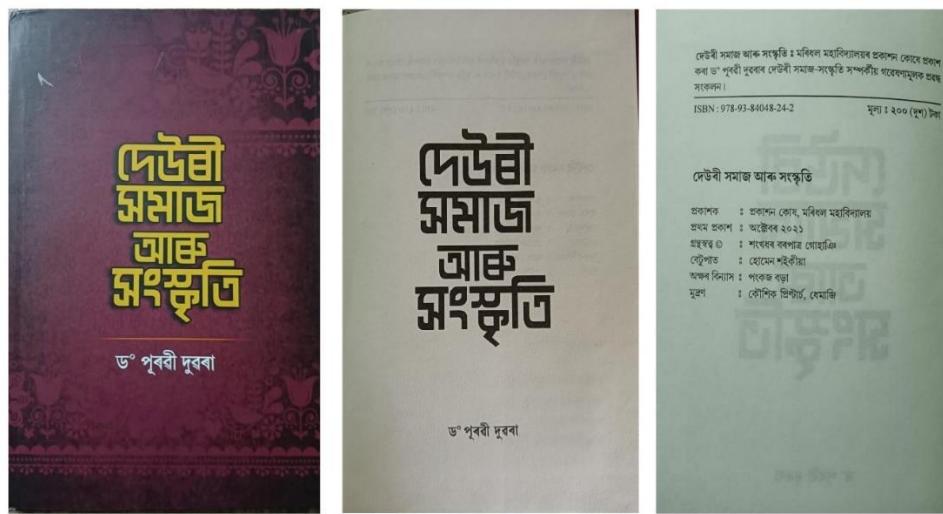
○ বেজবকরণ মোৰ জীৱন সীৱদৰণ মহামাতৃক
আমৰ ধৰণৰ পৰিকল্পনাৰ বিবৰণ/১৪০

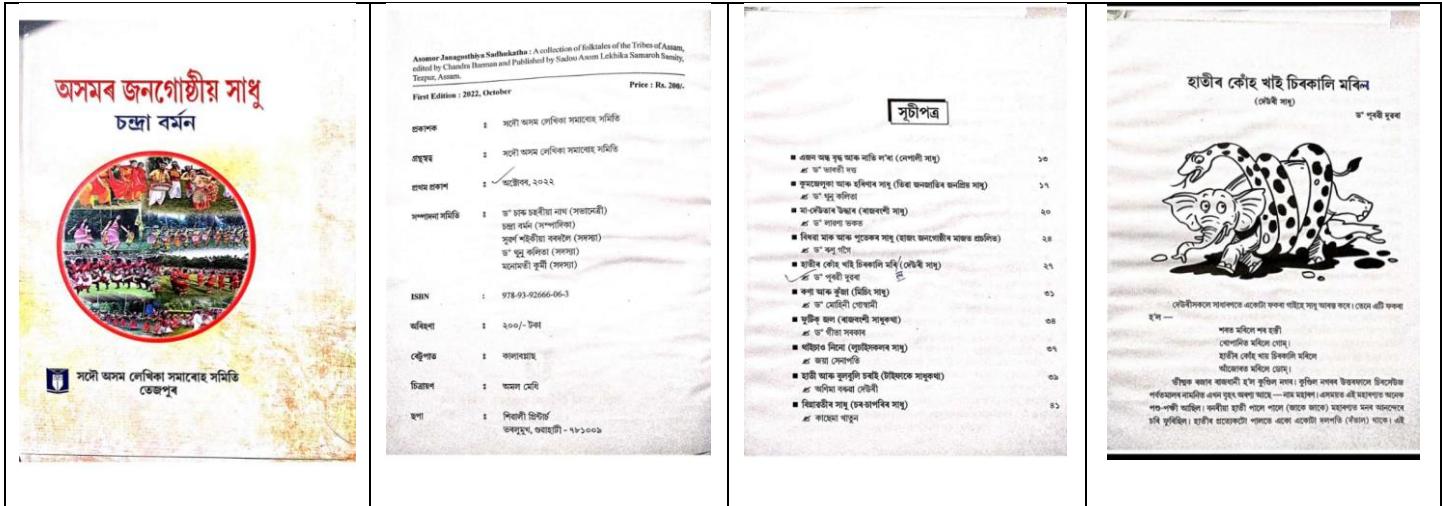
- মণিলি বৰুৱাই

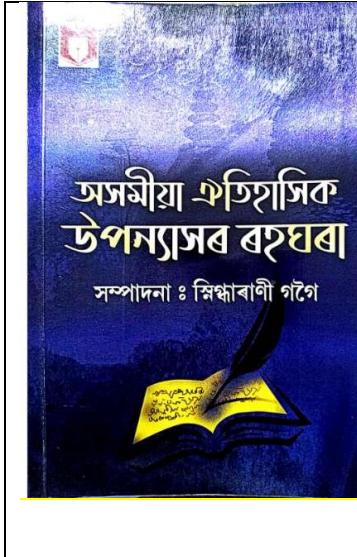
ଲକ୍ଷ୍ମୀନାଥ ପେଜେବକରାର ଜୀବନମୃତି
‘ମୋର ଜୀବନ ସୌରବଦ’
ଏକ ବିଶେଷଣ

અનુભૂતિ

• ড° পূরবী দুর্বা







ASOMIYA OITHASIK UPONYASAR ROHGHORA :
collection of articles on Assamese Historical Novels edited by
Snigdha Rani Gogoi and published by Sodou Asom Lekhak
Somaroh Samity on 29th Conference at Sivsagar. Price : 45/-

অসমীয়া ঐতিহাসিক উপন্যাসৰ বহুবল
সঠী আৰু মেৰিলি সমাবেশ সমিতি
২৯তম খ্রিস্টাব্দি শিল্পসামৰণ অধিবেকন
১০, ১৪, ১৫ আৰু ১৬ অক্টোবৰ, ২০২২

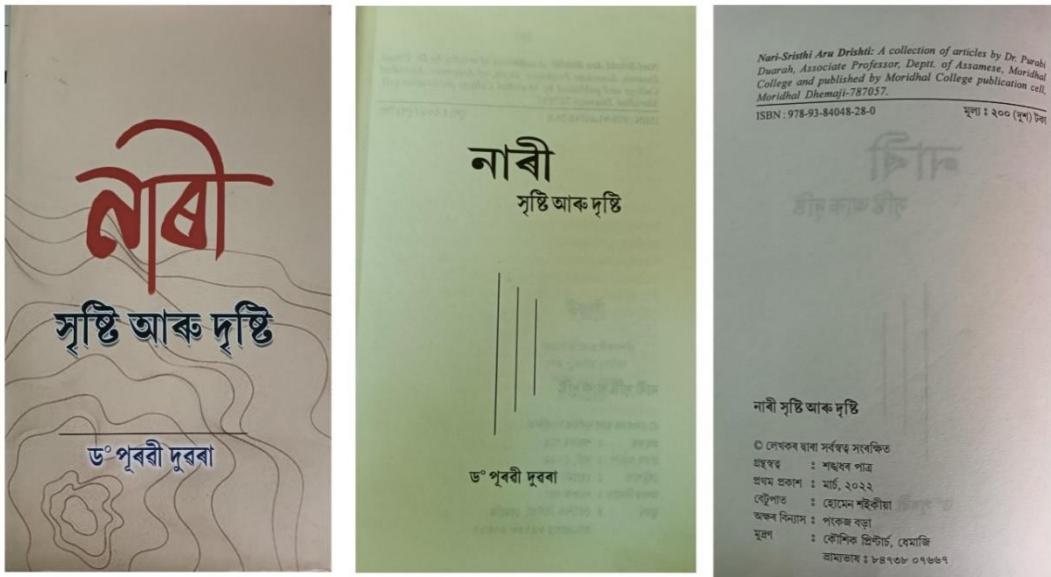
દ્વારા, અચન્દ વિલાસ, અલર્ગેન, અર્પણજી : લિટીર કલિક
સારોવર વર્ષન, ઓમધારાળ પાત્ર
મુજબ : ૫ ફિલે-એક્ટ, ચલનાર્થ, રાધાકૃષ્ણ-૭
દિનનંબર : ૧૮૭૦૮૦૨૪૧૨૮
ISBN = 978-93-92666-00-1

কেশব চন্দ্র ডাকুরাব ‘জেবেঙ্গাৰ উচুপনি’ এটি বিশ্লেষণ

ড° পূরবী দুর্বা

অবতরণিকা : কেশের চম্প ডাকুলাবি “জেনেভার টুপনি” ছহিদ কম-কলাতাৰ আইনৰ অধ্যাবত বটিত একন দুর্বিলীক উপন্যাস। তেখেত বুজীৰ আধ্যাবতে কেইথিবানো উপন্যাস বচনা কৰি অসমীয়া সাহিত্যক সহজ বিৰচন।

ପ୍ରକାଶ ମଧ୍ୟ ପାଇଁ ଉପରେ ଆମିନାରୁ ପାଇଁ ତାଙ୍କିମଣି ତେବେ ହେଲା
ତାଙ୍କୁଥିବେ, “ଆଜି ଅସମୀୟର ଯୁଦ୍ଧ ଏଣେ ବୁ ବୀରୀ-ବୀରାମ,
ଏଣେ ଲୋକେ ଭାବାଜାର କରିବାରେ ନିରମଳ ମେଲାରୁ ହେଲା
ନିରମଳ ଜୀବନ ମଧ୍ୟ ଦେଖିବାରେ ନିରମଳ ମେଲାରୁ ହେଲା
ଅଥେ ତାଙ୍କ ସ୍ଵର୍ଗ ପାଇଁ କର ଭାବୁ ବାରାକ କର ଦେଇବା
ଦେଖୁବା ମଧ୍ୟ ବାରି କେଇଗାଇଲାମିନାମିନ ଆଜିର ମନ୍ଦିର



শক্তির দেৰ-মাধ্যমে কাৰ্য্য সমীক্ষা আৰু

ଅନ୍ୟାନ୍ୟ ପ୍ରସଙ୍ଗ (ପ୍ରସଙ୍ଗ ସଂକଳନ)



সম্পাদনা
ড° বেবী মণি গঙ্গে
ড° পূরবী দুর্বা

সূচীপত্র

- ହରିଶ୍ଚନ୍ଦ୍ର ଉପାଧ୍ୟାମିତ କୃତ ଭକ୍ତିର ମହିମା**
 - ଡା. ମନୀଷା ଗୋପନୀୟ /
 - କୁମାରୀ-ଇମ୍ପରେଟର କମ୍ପ୍ୟୁଟ୍ସ**
 - ଡା. ପ୍ରୀଣା ଦୂର୍ଲାଖ /
 - କାଳାବ୍ଦର ମୁଦ୍ରାକାରୀ ଅଭ୍ୟନ୍ତ ମଧ୍ୟମ (ଆର୍ଟେମ କ୍ଲବ ଭାରତ)**
 - ବିଜୀ ସବ୍ରାନ୍ତୋହାଇୟେ /
 - ଅଭ୍ୟନ୍ତ ମଧ୍ୟ କାର୍ଯ୍ୟ ଆଧ୍ୟାତ୍ମିକ ଆକା ନାମନିମିତ୍ତ ମୌଖିକ ଚିତ୍ର**
 - ଡା. ମେନ୍ଦ୍ର ମଣି ପଟ୍ଟନାୟି /
 - ଶ୍ରୀମତୀ ଶର୍ମିଳା କୁମାରାଚାର୍ଯ୍ୟ**
 - ଡା. ଜନତ ଚାନ୍ଦୀପାତ୍ର /
 - ଶର୍କରାଦେବର କୁର୍ମତିର କାର୍ଯ୍ୟ କୃତକାରୀତିର ମାଧ୍ୟମ**
 - ଡା. ପୂଜା ଲାତା ହୋଲାଇୟେ /
 - କାର୍ଯ୍ୟବ୍ରତ ଓ ପରିଵର୍ତ୍ତନ ଅଭ୍ୟନ୍ତ ଉପାଧ୍ୟାମି**
 - ବେଣ୍ଟ ମୁକୁତ /
 - ମାଧ୍ୟମରେ ବାଜାରର କାର୍ଯ୍ୟ ଭକ୍ତି ତତ୍ତ୍ଵ**
 - ପୂଜା ଗୋପନୀୟ /
 - ନାମ-ମୋହାର ଆଧ୍ୟାତ୍ମିକ ତତ୍ତ୍ଵ ଆକା କାର୍ଯ୍ୟ ବିଚାର**
 - ଡା. ଲେବନ୍ତି ଶ୍ରୀମତୀହୋଲାଇୟେ /

ବନ୍ଦିଗୀ-ହରଣ କାବ୍ୟର କପ-ବସ

© ড'রবী দুর্বা